# INSTITUTE OF COMPUTER SCIENCE VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN

**Activity Report** 



## INSTITUTE OF COMPUTER SCIENCE VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN





Silver Jubilee Webinar Series

### National Webinar



Research posibilities in Blockchain Technologies

On 2nd September, 2021 (Thursday) at 10:30 AM

Organized by

#### **Research & Development Cell of**

Institute of Computer Science, Vikram University, Ujjain



Patron
Prof. Akhilesh K.Pandey
Hon. Vice Chancellor Vikram
University Ujjain,M.P.



Co- Patron
Dr. Prashant Pooranik
Registrar,Vikram University
Ujjain,M.P.



Director
Dr. Umesh Kumar Singh
Institute of Computer Science
Vikram University Ujjain,M.P.



Speaker
Dr. Deepak Sukheja
Associate Professor
VNRVJIET,Hyderabad



Co -ordinatior

Dr. Bhupendra Kumar Pandya
Research & Development Cell
ICS, Vikram University



<u>Google Meet Joining info :</u>
<u>Video link:https://meet.google.com/vcp-qnxw-myd</u>

#### राष्ट्रीय वेबिनार रिपोर्ट :ब्लाकचैन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शोध की संभावनाएं विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की कंप्यूटर विज्ञान संस्थान में सिल्वर जुबली वेबिनार श्रंखला में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शोध की संभावनाएं विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार की अध्यक्षता विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के माननीय कुलपति प्रोफेसर अखिलेश कुमार पांडे ने की।

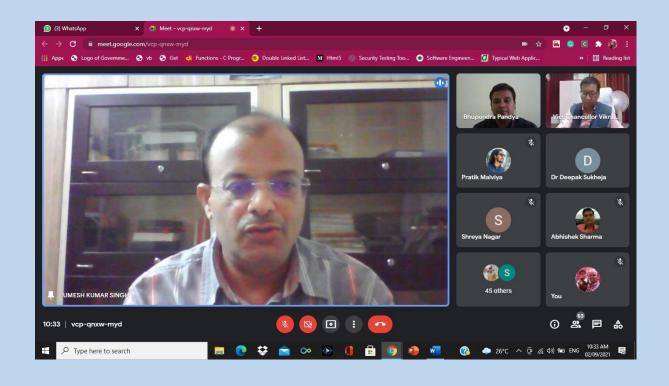
इस राष्ट्रीय वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉक्टर दीपक सुखेजा थे जो कि वीएनआर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी हैदराबाद में सह प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं ।

डॉ उमेश कुमार सिंह निदेशक कंप्यूटर विज्ञान संस्थान ने अपने स्वागत भाषण में आमंत्रित अतिथियों का आभासीय रूप से स्वागत किया एवं ब्लॉकचेन विषय पर आयोजित वेबिनार का उद्देश्य स्पष्ट कर बताया कि ब्लॉकचेन एक प्लेटफार्म है जहां ना सिर्फ डिजिटल करेंसी बल्कि किसी भी चीज को डिजिटल बनाकर उसका रिकॉर्ड रखा जा सकता है। यानी ब्लॉकचेन एक डिजिटल लेजर है वही बिटकॉइन एक डिजिटल माध्यम है जिसके जिरए हम और आप या कोई अन्य कुछ चीजें बेच और खरीद सकते हैं। डॉ उमेश कुमार सिंह ने बताया विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन और वीएनआर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी हैदराबाद के मध्य एक एमओयू हुआ है जिसका उद्देश्य रिसर्च को बढ़ावा देना है। साथ ही डॉ सिंह ने जानकारी दी कि कंप्यूटर विज्ञान संस्थान और वीएनआर इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के शिक्षक गण एक पेटेंट के लिए भी कार्य कर रहे हैं।

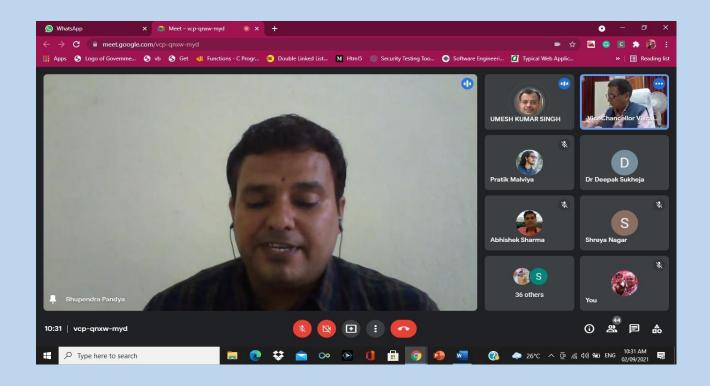
कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे माननीय कुलपित अखिलेश कुमार पांडे ने सर्वप्रथम कंप्यूटर विज्ञान संस्थान के निदेशक और उनकी पूरी टीम को सिल्वर जुबली वेबिनार सीरीज के आयोजन और कंप्यूटर विज्ञान द्वारा किए गए शोध संबंधी कार्यों के लिए बधाई प्रेषित की। साथ ही आशा की कि कंप्यूटर विज्ञान संस्थान भविष्य में भी इसी तरह एक इकाई के रूप में कार्य करें। कुलपित जी ने बताया कि इस तरह के आयोजन और उनसे मिलने वाले ज्ञान को संस्थान तक ही सीमित ना रख कर आम आदमी तक पहुंचाने का उद्देश्य होना चाहिए। ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के बारे में कुलपित जी ने बताया कि इस तकनीक को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी तकनीक माना जा रहा है और बताया कि कई विकसित देशों में सरकारें गुड गवर्नेंस के लिए इसे इस्तेमाल करने की योजना बना रही है|

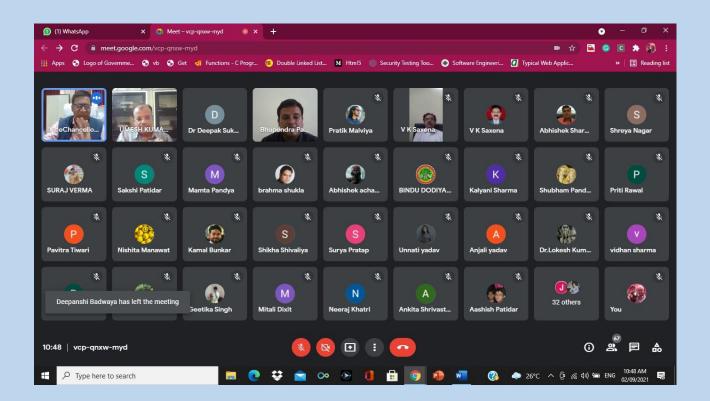
मुख्य वक्ता डॉ.दीपक सुखेजा ने बताया कि ब्लॉकचेन तकनीक ब्लॉकचेन को चलाने के पीछे की अवधारणा या प्रोटोकॉल है। ब्लॉकचेन तकनीक बिटकॉइन की तरह क्रिप्टोकरेंसी (क्रिप्टोग्राफी द्वारा सुरक्षित डिजिटल मुद्राएं) बनाती है जैसे इंटरनेट ईमेल को संभव बनाता है। ब्लॉकचेन एक अपरिवर्तनीय वितरित डिजिटल लेज़र क्रिप्टोकरेंसी से परे कई उपयोग के मामलों के साथ है। ब्लॉकचेन एक डेटाबेस है जो डेटा के एन्क्रिप्टेड ब्लॉकों को संग्रहीत करता है। ब्लॉकचेन वह तकनीकी जो हमारे कारोबारी माहौल में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती है और अगले कुछ दशकों में इसका बहुत प्रभाव पड़ेगा ब्लॉकचेन एक विकेंद्रीकृत और डिस्ट्रीब्यूटर लेजर तकनीक है जिसका उद्देश्य पारदर्शिता डेटा सुरक्षा और अखंडता सुनिश्चित करना है ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के वित्त और बैंकिंग उद्योग लेखा और व्यवसाय प्रक्रिया प्रबंधन में कई अनुप्रयोग हो सकते हैं। डॉ.सुखेजा ने ब्लाकचैन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शोध की संभावनाओ पर भी प्रकाश डाला।

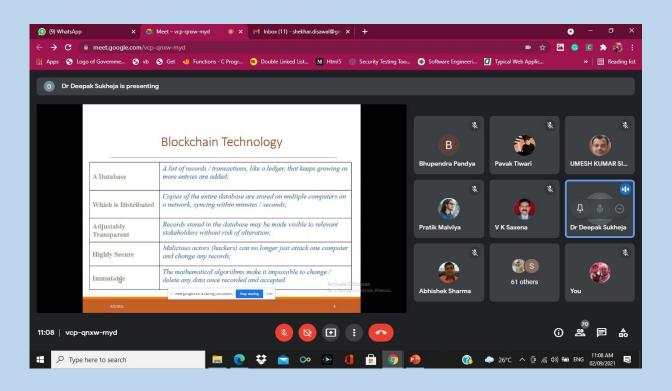
वेबिनार में संस्थान के शिक्षक, छात्र, शोधार्थियों एवं अन्य संस्थानों के छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन रिसर्च एवं डेवलपमेंट प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉक्टर भूपेंद्र कुमार पंड्या ने किया। संस्थान के प्राध्यापक श्री कमल बुनकर ने आभार व्यक्त किया।

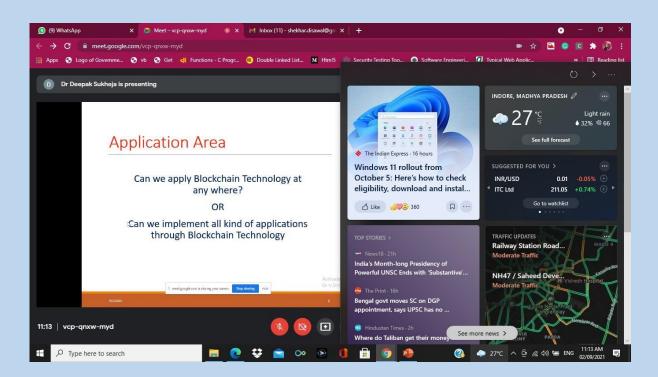




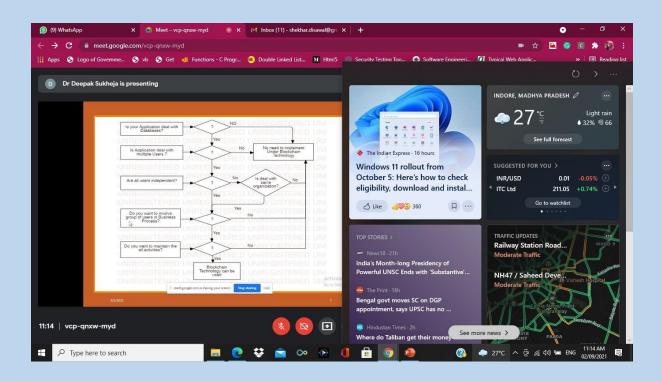


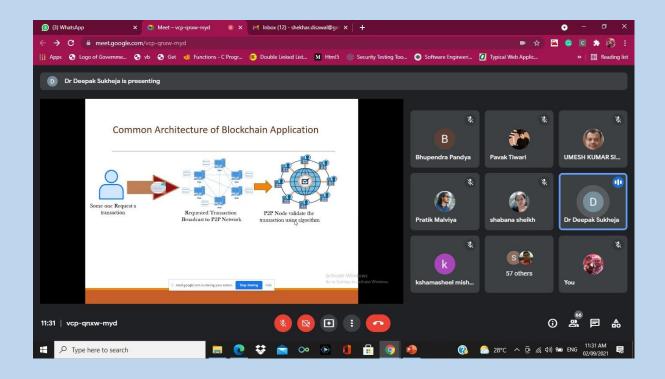














\*\*\*\*\*\*